हरिभूमि

झज्जर-बहादुरगढ़ भूमि

रोहतक, गुरुवार 26 फरवरी 2026

11 कर्मचारी संगठनों ने किया धरना-प्रदर्शन

12 लक्ष्य और उमंग बने सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी

खबर संक्षेप

पंचायत उपचुनाव 2026 के चलते जिला निर्वाचक अधिकारी नियुक्त

झज्जर। राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा जारी अधिसूचना की अनुपालना में जिला निर्वाचन अधिकारी पंचायत जगनिवास ने पंचायती राज संस्थाओं के उप चुनाव-2026 के लिए मतदाता सूचियां तैयार करवाने के लिए हरियाणा पंचायती राज निर्वाचन नियम के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए जिले के विभिन्न खंडों के लिए जिला निर्वाचक अधिकारियों की नियुक्ति की है। जारी आदेशअनुसार खंड झज्जर के लिए उप आबकारी एवं कराधान आयुक्त, बहादुरगढ़ खंड के लिए एसडीएम बहादुरगढ़, बादली खंड के लिए एसडीएम बादली, बेरी खंड एसडीएम बेरी, मातनहेल खंड के लिए जिला राजस्व अधिकारी झज्जर तथा साल्हावास खंड के लिए महाप्रबंधक हरियाणा राज्य परिवहन विभाग झज्जर को जिला निर्वाचक अधिकारी नियुक्त किया गया है।

जिला व उपमंडल स्तर पर समाधान शिविर आज

झज्जर। वीरवार को जनता की शिकायतों के त्वरित, पारदर्शी एवं प्रभावी निस्तारण के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा जिला मुख्यालय सहित सभी उपमंडल स्तर पर सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक समाधान शिविरों का आयोजन किया जाएगा। जिला स्तरीय समाधान शिविर में एडीसी जगनिवास और उपमंडल स्तर पर संबंधित एसडीएम लोगों की समस्याएं और शिकायतें सुनेंगे।

अवैध हथियार के साथ युवक गिरफ्तार

बहादुरगढ़। एवीटी स्टाफ ने एक आारोपी को अवैध हथियार के साथ काबू किया। एसआई जितेंद्र कुमार ने बताया कि गश्त के दौरान गांव सोलधा में एक युवक पुलिस टीम को देखकर भागने लगा। शक की बिनाह पर धीरज निवासी सोलधा को काबू करके तलाशी ली गई तो उसके कब्जे से एक अवैध हथियार बरामद हुआ। उसके विरुद्ध शस्त्र अधिनियम के तहत केस दर्ज कर अदालत में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

मौसम में बदलाव, सुबह-शाम ठंड व दिन में गर्मी

बहादुरगढ़। बुधवार को शहर का अधिकतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 13 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। दिन में धूप निकलने से हल्की गर्माहट महसूस हुई, जबकि सुबह और शाम के समय ठंड का असर बना रहा। मौसम विभाग के अनुसार फिलहाल सुबह-शाम हल्की ठंड जारी रहेगी, जबकि दोपहर में तापमान सामान्य से थोड़ा ऊपर रह सकता है। ऐसे में लोगों को सुबह-शाम हल्के गर्म कपड़े पहनने की सलाह दी जा रही है।

नफे सिंह राठी व जयकिशन की श्रद्धांजलि सभा में इनेलो अध्यक्ष का फूटा गुस्सा

हत्या के दो साल बाद भी मुख्य साजिशकर्ता पकड़ से दूर, इनेलो की सरकार बनने पर छोड़ेंगे नहीं : अभय

- अभय सिंह चौटाला का बड़ा आरोप-सरकार आरोपियों को ही प्रोटेक्शन दे रही
- हजारों समर्थकों ने सभी आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग की

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

इनेलो के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक स्व. नफे सिंह राठी तथा जयकिशन दलाल की दूसरी पुण्यतिथि पर बुधवार को हुई श्रद्धांजलि सभा में इनेलो के राष्ट्रीय अध्यक्ष अभय सिंह चौटाला समेत असंख्य समर्थकों ने उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। हवन में शीला राठी, कपूर राठी, भूपेंद्र राठी, दीपक राठी व जितेंद्र राठी समेत परिजनों व समर्थकों ने मंत्रोच्चारण के साथ आहुति डाली। साथ ही स्व. नफे सिंह राठी के हत्यारों व साजिशकर्ताओं की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग दोहराई।

इनेलो के राष्ट्रीय अध्यक्ष अभय चौटाला ने कहा कि नफे सिंह राठी को साजिश के तहत मरवाया गया। तभी तो नामजद आरोपियों को भी नही पकड़ा गया। इस जघन्य हत्याकांड के बाद से ही हरियाणा प्रदेश में हालात खराब हुए हैं। गैंगस्टर खुलेआम धमकी देकर रंगदारी मांग रहे हैं। निर्दोष लोग मारे जा रहे हैं। जबकि उन पर अपेक्षित कार्रवाई करने की बजाय सरकार आरोपियों को ही प्रोटेक्शन दे रही है। उन्होंने दावा किया कि इनेलो सरकार आने पर अपराधी प्रदेश छोड़कर भागेंगे या जेल में जाएंगे। वे अपराधियों को प्रोटेक्शन देने वालों को भी बख्शेंगे नहीं। अभय ने कहा कि सत्ता में बैठे लोग विकास कार्य करवाने की बजाय अवैध कॉलोनियों काट रहे हैं। बेशक खुलासे के बाद आईडीएफसी बैंक से पैसा तो वसूल लिया, लेकिन घोटाला करने वालों पर कार्रवाई नहीं होने से सवाल उठते हैं। सरकारी पैसा नियमानुसार राष्ट्रीकृत बैंकों या कोऑपरेटिव बैंक में ही रखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकारी नौकरियों में अन्य प्रदेशों के युवाओं को भर्ती किया जा रहा है। जबकि हरियाणा के युवा बेरोजगार धक्के खा रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि करीब 76 प्रतिशत लोगों को चुनावों से पहले बीपीएल श्रेणी में लाया गया, लेकिन चुनाव जीतने के बाद अब 14 लाख लोगों के बीपीएल कार्ड काट दिए। इनेलो बुजुर्गों की पेंशन की भांति उनके लिए भी संघर्ष करेगी।

सभा को शीला राठी, कपूर राठी, भूपेंद्र राठी, जितेंद्र राठी, प्रीति राठी के साथ इनेलो के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष प्रकाश भारती, जिलाध्यक्ष सतपाल पहलवान, नफे सिंह लाहली, सज्जन दलाल, मास्टर रामधन दलाल, राजबीर परनाला, पार्षद बिजेंद्र दलाल, मास्टर सुरेंद्र कादियान, वेदप्रकाश दुल व जगदीश सहरावत आदि ने संबोधित किया। मंच संचालन जिला शहरी अध्यक्ष रामनिवास सैनी ने किया।

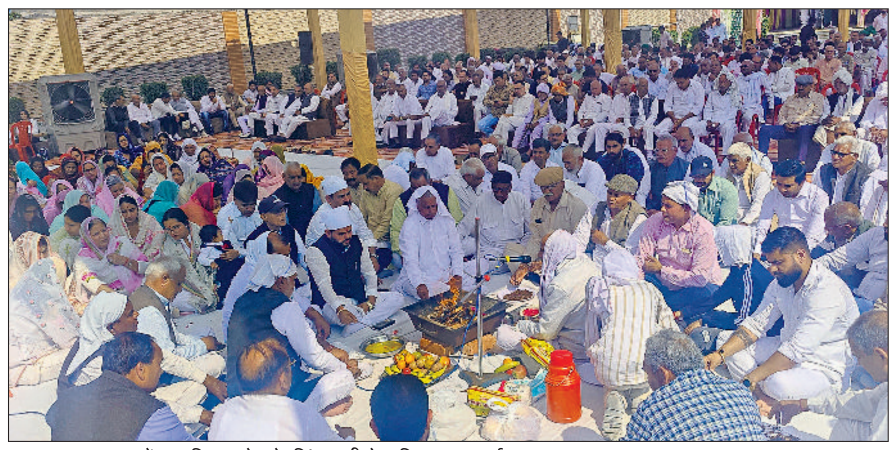

बहादुरगढ़। हवन में आहुति डालते नफे सिंह राठी के परिजन व समर्थक।

स्व. नफे सिंह को नमन करते अभय सिंह चौटाला।

चार शूटरों ने की थी हत्या

प्रदेश के कद्दावर राजनेताओं में शामिल नफे सिंह राठी 25 फरवरी 2024 की शाम को आसौदा से बराही के रास्ते बहादुरगढ़ लौट रहे थे। सांखोल के निकट स्थित रेलवे फाटक पर चार बदमाशों ने उनकी गाड़ी पर अंधाधुंध गोलियां बरसा दी। इस हमले में नफे सिंह राठी व उनके साथी जयकिशन दलाल की मौके पर ही मौत हो गई थी। जबकि निजी सुरक्षाकर्मी संजीत व गाड़ी चला रहे भांजे संजय घायल हो गए थे। पुलिस ने घायल संजय के बयान के आधार पर अज्ञात हमलावरों के साथ ही दस नामजद लोगों के विरुद्ध आईपीसी की धारा 302, 307, 147, 148, 149 व आर्म्स एक्ट के तहत केस दर्ज किया था।

नंदू गैंग के 4 गिरफ्तार, 4 फरार

इंटरनेट मीडिया पर वायरल हुई पोस्ट में ब्रिटेन बेस्ड गैंगस्टर नंदू ने ही नफे सिंह हत्याकांड की जिम्मेदारी ली थी। चारों शूटरों की पहचान भी नंदू गैंग से जुड़े अतुल, आशीष, नकुल व सौरव के रूप में हुई थी। हत्यारों की गाड़ी रेवाड़ी में पार्किंग से बरामद हुई थी। आशीष और सचिन उर्फ सौरव नाम के दो शूटर गोवा से गिरफ्तार हुए थे। इसके अलावा नंदू गैंग से जुड़े धर्मेंद्र निवासी बिजवासन तथा अमित गुलिया को प्रोडक्शन वारंट पर लाकर पूछताछ की गई थी। पुलिस आगे की कड़ी जोड़ने में विफल रही थी। इस बीच सीबीआई ने एक मई 2024 को एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू की थी। सीबीआई ने 31 मई 2024 को आशीष उर्फ बाबा, सचिन उर्फ सौरभ, धर्मेंद्र और अमित गुलिया के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया था। अदालत ने इन चारों पर औपचारिक रूप से आरोप तय कर रखे हैं। जबकि कपिल सांगवान उर्फ नंदू, नकुल सांगवान, अतुल गुलिया और खुशप्रीत समेत चार अन्य आरोपी अभी भी फरार हैं। हालांकि नफे सिंह राठी हत्याकांड के पीछे का असल कारण भी दो साल बाद तक सार्वजनिक नहीं हुआ है। इसे लेकर बुधवार को हुई श्रद्धांजलि सभा में हर कोई नाराजगी व्यक्त करता नजर आया।

माइनर में मिली गली-सड़ी लाश

महिला की हत्या कर शव को रस्सी से बांध माइनर में फेंका

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

- धारदार हथियार से गला काटा गया और शरीर पर चोट के कई निशान, पुलिस ने किया हत्या का केस दर्ज

गांव रोहद में एनसीआर नहर में रेलवे लाइन के नजदीक एक अज्ञात महिला का शव बरामद हुआ। सूचना मिलते ही थाना आसौदा पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। प्रथमदृष्टया साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने हत्या का अभियोग अंकित किया है।

जानकारी के अनुसार गांव दुल्हेड़ा निवासी संदीप कुमार एनसीआर नहर पर बेलदार के रूप में कार्यरत है। उसने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि नहर में जमा कचरे की जेसीबी से सफाई के दौरान एक कंबल में लिपटा शव दिखाई दिया। बाहर निकालने पर पता चला कि शव एक महिला का है, जिसकी उम्र लगभग 30 से 35 वर्ष प्रतीत हो रही है। शव के हाथ और मुंह लाल व हरे रंग की प्लास्टिक की रस्सी से बंधे हुए थे तथा गला तेजधार हथियार से काटा हुआ नजर आया। महिला के शरीर, पीठ और सिर पर भी तेजधार हथियार से चोट के निशान मिले हैं। शव काफी सड़ी-गली अवस्था में था, जिससे पहचान करना मुश्किल हो रहा है। महिला ने काले रंग की चमकदार जैकेट, हरे रंग की टी-शर्ट, स्लेटी रंग की पेंट और नीले-सफेद शेड की गर्म पजामी पहन रखी थी। प्रथम दृष्टया मामला हत्या का प्रतीत हो रहा है। आशंका जताई जा रही है कि अज्ञात आरोपियों ने महिला की हत्या कर शव को कंबल में लपेटकर रस्सियों से बांधकर पहचान छुपाने की नीयत से नहर में फेंक दिया। पुलिस ने संदीप कुमार की शिकायत पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(1) और 238(सी) के तहत मामला दर्ज कर लिया है। एफएसएल टीम को मौके पर बुलाया गया है और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। थाना आसौदा प्रभारी ने बताया कि अज्ञात शव के साथ ही आरोपियों की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं और आसपास के क्षेत्रों में गुमशुदगी की रिपोर्टों की भी जांच की जा रही है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

परीक्षाओं को लेकर बंद कराईं फोटोस्टेट की दुकानें

- दुकानें खुलवाने की मांग को लेकर दुकानदार लघु सचिवालय में एडीसी से मिले
- कहा-पेपरों के दौरान एक माह तक यदि दुकानें बंद रही तो काफी नुकसान होगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

हरियाणा शिक्षा बोर्ड द्वारा आयोजित दसवीं व बारहवीं कक्षा की परीक्षाओं के चलते परीक्षा केंद्रों से 500 मीटर की दायरे में स्थित फोटोस्टेट, साइबर कैफे, बुक डिपो आदि दुकानों को बंद करने के आदेश जिला प्रशासन द्वारा दिए गए हैं। ऐसे में बुधवार को हुई बारहवीं की परीक्षा के दौरान शहर के राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के नजदीक वाली फोटो स्टेट व शिक्षण सामग्री व साइबर कैफे से संबंधित दुकानों को प्रातः 11 बजे से दोपहर बाद चार बजे तक बंद कराया गया। इस कारण दुकानदारों में रोष रहा। रोषित दुकानदार दुकान खुलवाने की मांग को लेकर लघु सचिवाल पहुंचे। दुकानदार रमेश चाहार, सुनील कुमार, प्रमोद कौशिक, मास्टर सोनू, शुभम, रवि गुर्जर व दीपक कुमार आदि ने बताया कि वे व्यापार मंडल के ब्लॉक अध्यक्ष तुषार दीवान के साथ एडीसी से मिले और अपनी समस्या से अवगत करवाया। इसके बाद व्यापार मंडल द्वारा सीएम के नाम भी एक ज्ञापन भेजकर दुकान खोले जाने की गुहार लगाई है। ज्ञापन में लिखा है कि परीक्षाएं एक अप्रैल तक चलेंगी। ऐसे में करीब एक माह तक दुकानें बंद रहेगी जिससे उनका परिवार चलाना व दुकान का किराया भरना भी मुश्किल हो जाएगा।

झज्जर। लघु सचिवालय परिसर में उपस्थित दुकानदार। *फोटो : हरिभूमि*

झज्जर। बीकानेर चौक के नजदीक बंद पड़ी फोटोस्टेट की दुकानें।

हरियाणा बोर्ड की 12वीं की परीक्षाएं शुरू

झज्जर। रोल नंबर स्लिप की जांच करती पुलिस कर्मी। फोटो : हरिभूमि

एडीसी व एसडीएम ने मारे छापे

झज्जर। हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड द्वारा आयोजित बारहवीं कक्षा की परीक्षाएं बुधवार से शुरू हो गई। परीक्षा के पहले दिन बारहवीं कक्षा की अंग्रेजी विषय की परीक्षा शांतिपूर्वक माहौल में संपन्न हुई। परीक्षा केंद्रों के बाहर और भीतर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम रहे, प्रशासनिक व विभागीय टीमें परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण करती रही। एडीसी जगनिवास, डीसीपी लोगेश कुमार, एसडीएम अंकित चौकसे, एसडीएम बेरी रेणुका नांदल अलर्ट मोड में दिखाई दिए और कई परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण करते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। एडीसी जगनिवास ने निरीक्षण के दौरान मौजूद केंद्र अधीक्षकों को निर्देश दिए कि वे परीक्षा केंद्रों को नकल रहित बनाने के लिए सभी बिंदुओं पर विशेष ध्यान दें तथा परीक्षा देने आ रहे परीक्षार्थियों की चेकिंग सुनिश्चित करें। उनके पास किसी भी प्रकार की अनुचित सामग्री नहीं होनी चाहिए। बाहर से नकल के लिए मिलने वाली मदद की सभी संभावनाओं से संबंधित पहलुओं पर भी विशेष ध्यान दें। परीक्षा के दौरान कोई भी बाहरी व्यक्ति परीक्षा केंद्र में प्रवेश न करें। परीक्षा केंद्र में सुरक्षा के सभी इंतजाम पूरे हों तथा निगरानी कर रहे अध्यापक नकल रहित परीक्षा आयोजित करवाने के लिए पूरी तरह से सजग हों। इसके अलावा पीसीआर और राईडर भी परीक्षा केंद्रों के बाहर गश्त करती हुई दिखाई दी।

नकल रोकने को 600 जवान तैनात, डीसीपी ने की जांच

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड द्वारा आयोजित सेकेंडरी और सीनियर सेकेंडरी परीक्षाओं को शांतिपूर्ण और निष्पक्ष तरीके से संपन्न कराने के लिए जिले में व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की गई है। परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए करीब 600 पुलिस कर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है ताकि किसी भी प्रकार की अव्यवस्था, नकल या अनुचित गतिविधि को रोका जा सके।

पुलिस उपायुक्त बहादुरगढ़ मयंक मिश्रा ने बुधवार को परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सभी पुलिस कर्मचारियों को अपनी जिम्मेदारियों का पूरी ईमानदारी, मेहनत और लगन के साथ निर्वहन करने के निर्देश दिए। उन्होंने साफ कहा कि ड्यूटी के दौरान किसी भी प्रकार की लापरवाही या अनुचित फायदा बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने निर्देश दिए कि परीक्षा देने आने वाले विद्यार्थियों और स्टाफ को केंद्र में प्रवेश से पहले अच्छी तरह जांच की जाए ताकि परीक्षा की पारदर्शिता बनी रहे। हालांकि सभी के साथ सम्मानजनक और विनम्र व्यवहार करने की हिदायत दी। साथ ही निर्देश दिए कि हरियाणा शिक्षा बोर्ड द्वारा जारी सभी दिशा-निर्देशों का सख्ती से पालन कराया जाए।

बहादुरगढ़। परीक्षा केंद्र का निरीक्षण करते डीसीपी मयंक मिश्रा।

पहल गीता डेरोलिया जांगड़ा ने समाज के सामने पेश की मिसाल

पीजीआई रोहतक में फार्म भरकर ली प्रतिज्ञा

अध्यापिका ने मृत्यु उपरांत शरीर दान का लिया संकल्प

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

समाज में मानवता, सेवा और परोपकार की मिसाल पेश करते हुए अध्यापिका गीता डेरोलिया जांगड़ा ने मृत्यु के बाद पीजीआई को अपना शरीर दान करने की घोषणा की है। उनके इस निर्णय की हर ओर सराहना हो रही है और यह कदम समाज के लिए प्रेरणास्त्रोत बन रहा है।

गीता डेरोलिया जांगड़ा ने कहा कि शरीर दान से बड़ा कोई पुण्य कार्य नहीं हो सकता। उन्होंने बताया कि शिक्षा के क्षेत्र से जुड़े होने के कारण वे हमेशा विद्यार्थियों और समाज को सकारात्मक दिशा देने का प्रयास करती रही हैं और शरीर दान का यह संकल्प भी उसी सोच का परिणाम है। उनके इस निर्णय से परिवारजनों ने भी सहमति जताते हुए पूर्ण समर्थन दिया है। त्रिवेणी स्कूल की निदेशिका संगीता वर्मा का कहना है कि गीता जांगड़ा का यह कदम न केवल उनके संस्कारों को दर्शाता है, बल्कि समाज में जागरूकता फैलाने का माध्यम भी बनेगा। शिक्षाविद गीता डेरोलिया जांगड़ा ने कहा कि आज भी शरीर दान को लेकर कई भ्रांतियां हैं, जिन्हें दूर करना जरूरी है। यदि अधिक से अधिक लोग नेत्रदान, अंगदान व शरीर दान का संकल्प लें, तो अनेक गंभीर रोगियों को जीवनदान मिल सकता है।

गीता डेरोलिया जांगड़ा।

रिसर्च के काम आता है शरीर

बता दें कि जब चिकित्सा संस्थान को शरीर दान किया जाता है तो वह विद्यार्थियों की रिसर्च के काम आता है। इस शरीर पर अभ्यास करके विद्यार्थी बेहतर चिकित्सक बन सकते हैं। कुछ अंग भी काम में आ सकते हैं।

पेट्रोल पंपों पर छापा, सैंपल जांच को भेजे

- खाद्य एवं आपूर्ति विभाग की टीम ने शौचालय और हवा मशीन दुरुस्त रखने के निर्देश दिए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

बुधवार को जिला खाद्य आपूर्ति नियंत्रक विभाग की टीम ने जिला खाद्य आपूर्ति अधिकारी आदित्य कौशिक के नेतृत्व में क्षेत्र के विभिन्न पेट्रोल पंपों का निरीक्षण किया। टीम ने पेट्रोल और डीजल की गुणवत्ता की जांच के लिए मौके पर ही सैंपल लिए और जांच के लिए प्रयोगशाला भेज दिया गया। निरीक्षण के दौरान टीम सदस्यों ने माप-तौल की मशीनों की सटीकता, स्टॉक रजिस्टर, बिक्री रजिस्टर और सुरक्षा मानकों की भी गहन जांच की। वहीं पेट्रोल पंप परिसर में मूलभूत सुविधाओं की स्थिति का भी जायजा लिया। उन्होंने संचालकों को निर्देश दिए गए कि शौचालयों की नियमित सफाई सुनिश्चित की जाए, स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था बनी रहे और परिसर में स्वच्छता का विशेष ध्यान रखा जाए। इसके अलावा हवा भरने वाली मशीनें हमेशा चालू हालत में रखने के निर्देश दिए। जिला खाद्य आपूर्ति नियंत्रक ने आदित्य कौशिक ने कहा कि उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण ईंधन और बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता है। इस दौरान वीर फ्यूल सर्विसिज, निर्मल फिलिंग स्टेशन, देव फ्यूल प्वांईट, राधे कृष्णा फिलिंग स्टेशन आदि पेट्रोल पंपों की जांच की गई। टीम में खाद्य पूर्ति उपनिरीक्षक धर्मवीर, नापतौल निरीक्षक परविंद्र सांगवान मौजूद रहे।

झज्जर। निरीक्षण के दौरान सैंपल लेते हुए जिला खाद्य आपूर्ति नियंत्रक टीम के सदस्य एवं अधिकारी।

डॉक्टर्स सजेशन

डॉ. आर. पी. सिंह सीनियर फिजिशियन, एनसीआर

केमिकल कलर्स से जब हो स्किन प्रॉब्लम

मेरी उम्र 28 वर्ष है। पिछले साल होली में रंग-गुलाल खेलने के बाद मेरी स्किन पर दाने और रैशेज हो गए थे। कृपया कोई ऐसा उपाय बताएं, जिससे इस बार ऐसी प्रॉब्लम न हो।

-सौरभ, हिसार

बाजार में तरह-तरह के केमिकल वाले रंग भी मिलते हैं। कई बार लोग इनका इस्तेमाल करते हैं। इसलिए इनके इस्तेमाल से खुद भी बचें और दूसरों को भी जागरूक करें। साथ ही रंग खेलने से पहले पूरे शरीर पर नारियल का तेल या मॉयश्चराइजर लगा लें। नारियल तेल ज्यादा बेहतर रहेगा। साथ ही केवल हर्बल कलर का इस्तेमाल करें। एक ही बार मे रंग छुड़ाने की कोशिश ना करें। कई लोग एक ही बार में पूरा रंग छुड़ाने के लिए कई बार साबुन लगाते रहते हैं। ऐसा न करें। अगर थोड़ा हल्का भी हो जाए तो अगले दिन उतर जाएगा। इस तरह त्वचा को बचाया जा सकता है।

मेरी उम्र 23 वर्ष है। अभी से ही मेरे सिर के आधे से अधिक बाल सफेद हो गए हैं। कृपया बताएं कि इसकी क्या वजह है और इसे कैसे ठीक किया जा सकता है?

-विकास, दुर्ग

आजकल यंगस्टर्स में यह समस्या काफी देखी जा रही है। सबसे पहले आप बाजार में उपलब्ध तरह-तरह के शैंपू का बदल-बदल कर इस्तेमाल करना बंद करें। साथ ही एक बार त्वचा रोग विशेषज्ञ से संपर्क कर लें, वे आपको कुछ शैंपू और साबुन बताएंगे, उनका इस्तेमाल करें और जरूरत पड़ी तो कुछ जांच कराएंगे। बगैर जांच करवाए कोई उपचार नहीं बताया जा सकता है।

मेरी उम्र 45 वर्ष है। अकसर सुबह के समय मेरी आंखों के नीचे और चेहरे पर सूजन सी लगती है। कुछ देर बाद खुद ही नॉर्मल हो जाता है। यह किसी बीमारी का संकेत तो नहीं, कृपया बताएं।

-एक पाठक, ई-मेल से

आंखों के नीचे सूजन आना कई बार शुगर बढ़ने के लक्षण भी होते हैं। लेकिन बगैर जांच कराए कुछ भी कहना ठीक नहीं है। सबसे पहले आप डॉक्टर से संपर्क कर शुगर की जांच कराएं। अगर वह रिपोर्ट नॉर्मल निकलती है तो फिर डॉक्टर और भी जांच कराएंगे, जिससे कारण पता चलेगा और इलाज हो सकेगा।

मेरी उम्र 32 वर्ष है। मुझे दिन भर मीठा खाने की क्रेविंग होती रहती है। प्लीज बताएं इससे मुझे डायबिटीज तो नहीं हो जाएगी? अपनी इस हैबिट को छोड़ने के लिए क्या उपाय करूं?

-कल्पेश, रायपुर

कोई भी चीज लिमिट में खाना ठीक होता है, लेकिन जरूरत से ज्यादा खाना नुकसानदायक होगा। सबसे पहले आप दो चीजों पर गौर करें कि आपकी शुगर कितनी है और आप फिजिकल एक्टिविटीज कितनी करते हैं? क्योंकि अगर आपकी फिजिकल एक्टिविटीज कम हैं और शुगर कंट्रोल है तो भी आपको मीठा कम खाना चाहिए। मीठे में भी ऐसे आइटम खाएं, जिसमें शुगर कम हो। डीप फ्राई वाली चीजें बिल्कुल ना खाएं।

मेरी पिता की उम्र 74 वर्ष है। उनके गॉल ब्लैडर में स्टोन है। लेकिन डॉक्टर ऑपरेशन करने से मना कर रहे हैं। इससे उनको कोई प्रॉब्लम तो नहीं होगी? कृपया बताएं हमें क्या करना चाहिए?

-पंकज, बिलासपुर

देखिए, अगर डॉक्टर ही मना कर रहे हैं ऑपरेशन करने के लिए, तो कोई न कोई उसका कारण होगा। इसलिए आप रिस्क ना लें और डॉक्टर द्वारा बताई गयी सावधानी बरतते हुए ही ट्रीटमेंट कराएं।

मेरी उम्र 53 वर्ष है। मैं जब भी ट्रैफिक में होता हूं तो बहुत घबराहट महसूस होती है। इस वजह से घर से कम निकलता हूं। ऐसा क्यों होता है? प्लीज इसका कोई कारगर उपचार बताएं।

-अवधेश, कांकेर

सबसे पहले आप डॉक्टर से संपर्क कर अपनी सारी जांच कराएं, जिससे पता चल जाएगा कि यह किसी बीमारी के लक्षण तो नहीं हैं। अगर रिपोर्ट नॉर्मल है तो इसके बाद आप मनोचिकित्सक से संपर्क कर सकते हैं। कई लोगों को भीड़ से घबराहट होती है। वो इससे बचाव के उपाय बताएंगे। *

प्रस्तुतिः रिचा पांडेय

पाठक अपनी हेल्थ प्रॉब्लम्स से संबंधित सवाल sehatharibhoomi@gmail.com पर ई-मेल कर सकते हैं।

हेल्थ एडवाइस

संध्या पांडेय
चीफ डाइटिशियन
मेदांता दि मेडिसिटी, गुरुग्राम

हाल के वर्षों में अस्वास्थ्यकर जीवनशैली और गलत खान-पान के कारण वयस्कों से लेकर बच्चों में भी ओबेसिटी यानी मोटापे की समस्या बढ़ती जा रही है। असल में मोटापा कोई बीमारी नहीं है बल्कि यह एक ऐसी स्थिति है जो अनेक बीमारियों की आशंका बढ़ाती है। **वर्ल्ड ओबेसिटी डे (4 मार्च)** के अवसर पर आइए जानते हैं, मोटापे से संबंधित विभिन्न पहलुओं और इस पर नियंत्रण के बारे में।

गुड हेल्थ के लिए है जरूरी ओबेसिटी को कंट्रोल करना

सारी दुनिया में ओबेसिटी एक बड़ी हेल्थ प्रॉब्लम के रूप में सामने आ रहा है। इसके प्रति अवेयर करने के लिए ही वर्ल्ड ओबेसिटी डे मनाया जाता है। इस बार इस दिवस की थीम है- 8 बिलियन रीजंस टू एक्ट ऑन ओबेसिटी। इस थीम का आशय है कि दुनिया की 8 अरब आबादी के लिए मोटापे के खिलाफ कार्रवाई करने के अनेक कारण हैं। हमें हर हाल में मोटापे के प्रति सचेत रहकर इसे नियंत्रित करना है।

कैसे तय होता है मोटापा

मोटापे के आकलन की सबसे प्रमुख विधि बॉडी मास इंडेक्स (बीएमआई) है। कमर की माप से भी मोटापे का अंदाजा लगाया जा सकता है, लेकिन मान्य और प्रचलित विधि बीएमआई ही है। बीएमआई की गणना के लिए पहले किसी व्यक्ति के वजन को किलोग्राम में मापा जाता है और फिर उसे उसकी लंबाई (मीटर वर्ग) से विभाजित किया जाता है। सामान्य यानी स्वस्थ वजन वाले व्यक्ति का बीएमआई वैल्यू 23 से कम होना चाहिए। महिलाओं में कमर का घेरा 80 सेंटीमीटर से कम और पुरुषों में 90 सेंटीमीटर से कम होना चाहिए। प्रत्येक व्यक्ति को बीएमआई के संदर्भ में अपने डॉक्टर या फिर डाइटिशियन से परामर्श लेना बेहतर रहेगा।

हो सकती है ये समस्याएं

मोटापे से ग्रस्त लोगों में उच्च रक्त चाप (हाई ब्लड प्रेशर), हृदय की बीमारियां, डायबिटीज टाइप 2, स्ट्रोक, अर्थराइटिस, सोते समय खर्राटे भरना या स्लीप एप्निया जैसी समस्याओं के होने का जोखिम कहीं ज्यादा बढ़ जाता है। मोटापे से ग्रस्त गर्भवती महिलाओं में अत्यधिक वजन के बढ़ने से उनके गर्भस्थ शिशु को भी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। इसके अलावा जो लोग पहले से ही उपरोक्त बीमारियों से ग्रस्त हैं, उन्हें अपने वजन नियंत्रण पर डॉक्टर से परामर्श लेकर विशेष ध्यान देना चाहिए, तभी वे उपरोक्त समस्याओं को नियंत्रित कर सकते हैं। इसके अलावा जो नवयुवक या नवयुवतियां अत्यधिक मोटापे से ग्रस्त हैं, उनके अंदर कुछ मनोवैज्ञानिक समस्याएं भी उत्पन्न हो सकती हैं। जैसे वे शारीरिक रूप से हीनता ग्रंथि के शिकार हो सकते हैं। उन्हें लोगों से मिलने-जुलने में अच्छा महसूस नहीं होता। यही नहीं, मोटापा और बांझपन (इनफर्टिलिटी) के बीच एक गहरा संबंध है। अधिक वजन और मोटापा महिलाओं और पुरुषों दोनों में प्रजनन क्षमता को प्रभावित कर सकता है।

ओबेसिटी के प्रमुख कारण

- जो लोग नियमित रूप से व्यायाम नहीं करते या कम शारीरिक श्रम करते हैं, उनके मोटे होने की संभावना बढ़ जाती है। मोटापे के अधिकांश मामलों में एक व्यक्ति जितनी कैलोरी बर्न करता है, उससे बहुत अधिक कैलोरी ग्रहण करता है। शरीर द्वारा इस्तेमाल न की जाने वाली कैलोरी वसा के रूप में संचित हो जाती है।
- लगभग हर दिन अत्यधिक चिकनाई युक्त आहार ग्रहण करना या फिर अकसर जंक फूड्स लेना कालांतर में मोटापे से ग्रस्त कर देता है। इसके अतिरिक्त जो लोग अपने खान-पान में फलों और सब्जियों को वरीयता नहीं देते हैं, वे भी मोटापे से ग्रस्त हो सकते हैं।
- अकसर तनावग्रस्त रहना कालांतर में मोटापे का कारण बन सकता है। ऐसा इसलिए क्योंकि तनाव से शरीर में हार्मोन असंतुलित हो जाते हैं। हार्मोंस के असंतुलन की स्थिति से भी मोटापा बढ़ सकता है।
- वंशानुगत कारण से भी मोटापा बढ़ सकता है। जैसे अगर मां-बाप अपने जीवन काल में मोटापे की समस्या से ग्रस्त हैं तो उनकी संतानों में भी मोटापा बढ़ने की आशंका काफी ज्यादा होती है।
- थायरॉइड ग्रंथि के विकार या असंतुलन से भी मोटापा बढ़ने की काफी आशंका रहती है।

कब लें डॉक्टर से परामर्श

जिन लोगों का वजन बीएमआई के मानकों से परे जाकर बढ़ता जा रहा है या जो लोग पहले से ही मोटापे से ग्रस्त हैं, उन्हें अपने डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए। डॉक्टर आपको अपनी जीवनशैली में सकारात्मक परिवर्तन करने और स्वास्थ्यकर खान-पान के संदर्भ में समुचित जानकारी देंगे। इस संदर्भ में डॉक्टर आपसे कुछ सवाल भी पूछ सकते हैं। जैसे आप डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर अन्य किसी रोग से पीड़ित तो नहीं हैं, फिलहाल आप क्या दवाएं ले रहे हैं, शराब या धूम्रपान के तलबगार तो नहीं हैं। आप कितनी देर तक व्यायाम या शारीरिक गतिविधियों में भाग लेते हैं? इसके अलावा डॉक्टर आपकी बीएमआई भी चेक कर सकते हैं और अगर आपको कोई बीमारी है तो उससे संबंधित जांच भी करवा सकते हैं। डॉक्टर आपको डाइटिशियन के पास भी रेफर कर सकते हैं और इस संदर्भ में व्यायाम या योगासन के लिए किसी विशेषज्ञ को भी रेफर कर सकते हैं। अत्यधिक मोटापाग्रस्त होने की स्थिति में वे आपको बैरियाट्रिक सर्जन से परामर्श लेने की भी राय भी दे सकते हैं।

मोटापे का सर्जिकल इलाज

बैरियाट्रिक सर्जरी एक प्रकार की सर्जरी है, जिसका उद्देश्य अत्यधिक मोटापे का इलाज करना है। यह सर्जरी विशेष रूप से उन व्यक्तियों के लिए होती है, जिनका बीएमआई 40 या उससे अधिक होता है, या जिनका बीएमआई 35-39.9 होता है और उन्हें मोटापे से संबंधित गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं होती हैं, जैसे कि डायबिटीज, हृदय रोग, उच्च रक्तचाप आदि। इसके अलावा यदि किसी व्यक्ति ने आहार और व्यायाम के माध्यम से वजन घटाने की कोशिश की है, लेकिन उसे सफलता नहीं मिली, तो बैरियाट्रिक सर्जरी का विकल्प दिया जा सकता है।

मोटापा कम करने वाली दवाएं

इस संदर्भ में महत्वपूर्ण बात यह है कि मोटापा कम करने वाली दवाओं का सेवन अपने डॉक्टर से परामर्श लिए बगैर नहीं करना चाहिए। अत्यधिक मोटापा (मॉर्बिड ओबेसिटी) को नियंत्रण करने में दवाओं का एक सीमित योगदान है। ये दवाइयां डॉक्टर की निगरानी में ली जाती हैं। ऐसा इसलिए, क्योंकि इनके साइड इफेक्ट भी होते हैं।

इन बातों पर दें ध्यान

- डॉक्टर या डाइटिशियन से परामर्श लेकर अपनी शारीरिक स्थिति और मेडिकल कंडीशन के अनुसार खान-पान का एक चार्ट बनवा लें और फिर उस पर अमल करें।
- मोटे अनाज या मिलेट्स वजन को नियंत्रित करने में सहायक हैं।
- अत्यधिक चिकनाईयुक्त खाद्य पदार्थों से परहेज करें।
- नियमित रूप से व्यायाम करें, लेकिन इस संदर्भ में याद रखें कि प्रत्येक व्यक्ति की उम्र और उसकी मेडिकल कंडीशन के अनुसार ही व्यायाम और उसका समय निर्धारित किया जाता है। इसलिए इस संदर्भ में फिटनेस एक्सपर्ट से परामर्श जरूर लें।
- जीवन के प्रति सकारात्मक सोच रखें और तनाव को स्वयं पर हावी न होने दें। ऐसा इसलिए क्योंकि तनाव से भी मोटापा या वजन बढ़ सकता है। तनाव को नियंत्रित करने के लिए मेडिटेशन करें।
- खाना खाते समय टीवी या मोबाइल न देखें, इससे आप ओवरईटिंग से बचे रहेंगे, जो ओबेसिटी बढ़ाने का मुख्य कारण है।
- नमक, शुगर और प्रोसेस्ड फूड्स का कम से कम सेवन करें। *

प्रस्तुतिः विवेक शुक्ला

प्रिकॉशन

रंगों का त्योहार होली खुशियां और उमंग लेकर आता है, लेकिन अस्थमा, हाई ब्लड प्रेशर (बीपी) और डायबिटीज के मरीजों के लिए यह त्योहार और इन दिनों का मौसम कुछ अतिरिक्त सावधानियां बरतने की मांग करता है। हल्की सी लापरवाही उनके स्वास्थ्य पर भारी पड़ सकती है, इसलिए त्योहार का आनंद लेते हुए स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखना जरूरी है।

यह सही है कि होली उल्लास-उमंग का पर्व है। लेकिन इसे मनाते हुए भी अपने स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही नहीं बरतनी चाहिए। खासतौर पर अस्थमा, हाई बीपी और डायबिटीज पेशेंट्स, अगर यहां बताए जा रहे सुझावों को अमल में लाएंगे तो उनकी तबियत नहीं बिगड़ेगी।

होली सेलिब्रेशन में बरतें सावधानी अस्थमा-बीपी-डायबिटीज पेशेंट्स

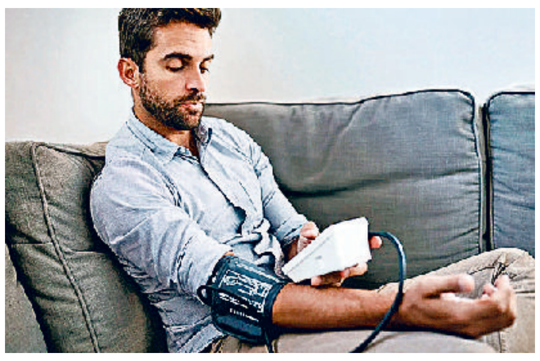

अस्थमा पेशेंट्स के लिए यूजफुल सजेशंस

श्वास संबंधी रोगी होली खेलते समय किन बातों का ध्यान रखें इस बारे में रीजेंसी हॉस्पिटल, गोरखपुर में कंसल्टेंट-पल्मनोलॉजी, **डॉ. आमिर नदीम** कहते हैं, 'होली पर उड़ने वाला गुलाल, धूल, धुआं और केमिकल युक्त रंग सांस के मरीजों के लिए गंभीर परेशानी पैदा कर सकते हैं। इन कणों के संपर्क में आने से सांस की नलियों में सूजन बढ़ सकती है और अस्थमा अटैक का खतरा बढ़ जाता है। इसलिए अस्थमा मरीजों को कोशिश करनी चाहिए कि वे भीड़-भाड़ वाली जगहों और तेज धूल-धुएं से दूर रहें। होली खेलने के लिए केमिकल वाले गहरे रंगों की जगह फूलों से बने या हर्बल रंगों का इस्तेमाल ज्यादा सुरक्षित विकल्प है। घर से बाहर निकलते समय अच्छी क्वालिटी का मास्क जरूर पहनें, ताकि धूल और रंग सीधे श्वास नली में न जाएं। अपना रेस्क्यू इनहेलर और नियमित दवाएं हमेशा साथ रखें और दवा समय पर लेते रहें। जिन लोगों को परागकणों (पोलेन ग्रेंस) से एलर्जी है, वे खुले पार्क या बगीचों में खेलने से बचें। होली खेलने के बाद तुरंत स्नान कर लें और कपड़े बदल लें, ताकि त्वचा और बालों पर जमे कण सांस के जरिए अंदर न जाएं। अगर सांस फूलना, सीने में जकड़न, सीटी जैसी आवाज के साथ सांस आना या तेज खांसी की समस्या बढ़े तो इसे नजरअंदाज न करें और तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।'

बीपी पेशेंट्स बरतें ये सावधानियां

होली जैसे पर्व को सेलिब्रेट करते समय बीपी पेशेंट्स को भी सावधानी बरतनी चाहिए। इस बारे में अपोलो स्पेक्ट्रा हॉस्पिटल, दिल्ली के सीनियर कंसल्टेंट-इंटरनल मेडिसिन, **डॉ. संचयन रॉय** सलाह देते हैं, 'होली के दौरान खान-पान और उत्साह बढ़ने से हाई ब्लड प्रेशर के मरीजों की परेशानी बढ़ सकती है। ज्यादा नमकीन, तला-भुना और मसालेदार भोजन ब्लड प्रेशर को बढ़ा सकता है, इसलिए हल्का और संतुलित आहार लें और नमक का सेवन सीमित रखें। तेज डीजे और अत्यधिक शोर भी तनाव बढ़ाकर बीपी पर असर डाल सकता है, इसलिए शांत माहौल में रहें। अपनी नियमित दवाएं समय पर लें और पर्याप्त पानी पिएं, क्योंकि डिहाइड्रेशन से भी बीपी असंतुलित हो सकता है। कोशिश करें कि पर्याप्त नींद लें और अत्यधिक थकान से बचें। दिन में एक बार बीपी मॉनिटर कर लेना भी फायदेमंद रहता है। अगर चक्कर, तेज सिरदर्द, घबराहट या धुंधला दिखने जैसे लक्षण महसूस हों तो तुरंत आराम करें और जरूरत पड़ने पर डॉक्टर से सलाह लें।'

डायबिटीज पेशेंट्स रखें इन बातों का ध्यान

होली के मौके पर डाइट में लापरवाही बरतने से डायबिटिक पेशेंट्स की तबियत बिगड़ सकती है। इससे बचाव के लिए श्री बालाजी एक्शन मेडिकल इंस्टिट्यूट, दिल्ली के सीनियर कंसल्टेंट-एंडोक्राइनोलॉजी, **डॉ. साकेत कांत** सजेस्ट करते हैं, 'होली पर गुझिया, मिठाई और ठंडाई का काफी लोग सेवन करते हैं। लेकिन डायबिटीज मरीजों को मीठे का सेवन बहुत सीमित मात्रा में और सोच-समझकर करना चाहिए। कोशिश करें कि खाली पेट मीठा न खाएं और पहले सलाद, दाल या प्रोटीन युक्त हल्का भोजन लें, ताकि शुगर अचानक न बढ़े। दिन में नियमित रूप से ब्लड शुगर लेवल की जांच करते रहें और डॉक्टर द्वारा बताई गई दवा या इंसुलिन समय पर लें। ज्यादा देर धूप में रहने, भाग-दौड़ या अनियमित खान-पान से भी शुगर लेवल ऊपर-नीचे हो सकता है। इसलिए समय पर भोजन करें और लंबा गैप न रखें। शरीर को हाइड्रेट रखना भी जरूरी है, क्योंकि डिहाइड्रेशन से शुगर असंतुलित हो सकती है। पर्याप्त पानी, छाछ या बिना शक्कर वाले पेय ही लें। *

प्रस्तुतिः सेहत फीचर्स

इन बातों पर भी करें अमल

होली के दौरान कुछ सामान्य सावधानियां बरतना सभी के लिए जरूरी है, इससे आप हेल्थ प्रॉब्लम्स से बचे रहेंगे।

- हमेशा हर्बल और स्किन-फ्रेंडली रंगों का ही उपयोग करें।
- शरीर को डिहाइड्रेशन से बचाने के लिए पर्याप्त पानी और तरल पदार्थ लेते रहें।
- भीड़-भाड़, धूल और धुएं वाली जगहों से दूरी बनाए रखें तथा किसी भी असामान्य लक्षण जैसे सांस लेने में दिक्कत, चक्कर, घबराहट या शुगर लेवल में उतार-चढ़ाव को नजरअंदाज न करें।

अवेयरनेस

डॉ. माजिद अलीम

आमतौर पर हम लोग जिन रोगों के बारे में जानते हैं, उनके अलावा भी हजारों रोग ऐसे हैं, जिन्हें दुर्लभ माना जाता है। दुनिया भर में करोड़ों लोग इनसे ग्रसित हैं। इनके बारे में सभी को पता होना चाहिए।

दुर्लभ रोग सजगता के साथ संवेदनशीलता भी है जरूरी

हर साल 28 फरवरी को और लीप ईयर में 29 फरवरी को दुनिया भर में दुर्लभ रोग दिवस मनाया जाता है। यह तारीख साल की सबसे दुर्लभ तारीख का प्रतीक है ताकि ये याद दिलाया जा सके कि कुछ बीमारियां इतनी कम दिखती हैं कि वे समाज, चिकित्सा व्यवस्था और नीति निर्माताओं की नजर से भी ओझल रह जाती हैं। दरअसल, दुर्लभ रोग उन रोगों को कहते हैं, जो दुनिया के बहुत कम लोगों को होते हैं। लेकिन जिनका असर जीवन पर बेहद गहरा और अकसर आजीवन होता है। विडंबना यह है कि संख्या में कम होने के बावजूद दुर्लभ रोगों से पीड़ित लोगों की सामूहिक संख्या दुनिया भर में करोड़ों में है। शायद इसीलिए हर साल 28 या 29 फरवरी को यह महत्वपूर्ण दिवस मनाया जाता है ताकि लोग दुर्लभ कही जाने वाली बीमारियों को लेकर सजग रहें।

ऐसे होते हैं दुर्लभ रोगः भारत में आमतौर पर दुर्लभ रोग उन्हें माना जाता है, जो दस हजार में से किसी एक व्यक्ति को या उससे भी कम लोगों को होते हैं। लेकिन ये रोग भले कम लोगों को होते हों, मगर इन रोगों की कम संख्या नहीं है। अब तक दुनिया में 7 हजार से ज्यादा ऐसे रोग चिन्हित किए जा चुके हैं, जिन्हें दुर्लभ रोग कहा जा सकता है। जैसे- प्रोजेरिया, फेनकोनी एनीमिया आदि। इनमें से अधिकांश रोग आनुवांशिक या जेनेटिक होते हैं यानी ये जन्म से जुड़े होते हैं। इन रोगों की सबसे बड़ी समस्या यह है कि इनके लक्षण जो सामान्य बीमारियों जैसे ही दिखते हैं, लेकिन ये सामान्य बीमारियां नहीं होती हैं। यही कारण है कि इनके निदान में वर्षों लग जाते हैं और हां, इनका इलाज भी बहुत महंगा होता है या कोई इलाज ही नहीं उपलब्ध होता है।

पूरा जीवन होता है प्रभावितः दुर्लभ रोग किसी एक अंग या समस्या तक सीमित नहीं होते हैं। वे व्यक्ति की पूरी जीवन यात्रा को प्रभावित करते हैं। शिक्षा, रोजगार, विवाह, सामाजिक स्थिति और स्वीकार्यता जैसे सभी सामाजिक पहलुओं पर इस दुर्लभ रोग का बहुत जबर्दस्त प्रभाव पड़ता है।

स्वास्थ्य सजगता का महत्वः दुर्लभ रोग दिवस मनाने का सबसे बड़ा उद्देश्य, लोगों को इनके बारे में जागरूक करना है। डॉक्टरों में, समाज में और सरकारों में, दुर्लभ रोगों के प्रति संवेदनशीलता बढ़ाना है। जागरूकता बढ़ने से सबसे बड़ा लाभ यह होता है कि डॉक्टर शुरुआती लक्षणों को गंभीरता से लेते हैं और इसके निदान में लगने वाले वर्षों को कम करके महीनों में बदल देते हैं। लेकिन ऐसा तब होता है, जब सरकारें दवाओं, रिसर्च और सहायता योजनाओं के बजट तय करती हैं और लोगों को इनकी दहशत से मुक्ति दिलाती हैं। यह दिवस बताता है कि स्वास्थ्य की गंभीर समस्याओं के लिए हेल्थ एक्सपर्ट्स चिंतित हैं और पीड़ित लोगों के साथ हैं। इसलिए दुर्लभ रोगों के संबंध में बीमार को समय रहते जानकारी मिलना जरूरी है कि वह आखिर किस रोग से पीड़ित है और क्या यह उसकी पिछली पीढ़ियों से चला आ रहा रोग है? अगर ऐसा होता है तो कोशिश की जाती है कि आने वाली पीढ़ियां इन विशेष रोगों से पीड़ित न हों।

अपने देश में भी है बड़ी चुनौतीः यूं तो पूरी दुनिया के लिए दुर्लभ रोग एक गंभीर समस्या हैं, लेकिन भारत के लिए भी यह विकट चुनौती हैं। अनुमान है कि देश में 7 से 9 करोड़ तक लोग किसी न किसी दुर्लभ रोग से पीड़ित हैं। विशेषकर ऐसे रोगों से पीड़ित लोगों के लिए सबसे बड़ी समस्या ग्रामीण क्षेत्र में होती है, जहां विशेषज्ञों की भारी कमी होती है और जांच सुविधाएं बहुत सीमित होती हैं। अधिकांश इलाज आम आदमी की सीमा से बाहर होता है यानी इलाज में खर्च आने वाला बजट आम आदमी के बस में नहीं होता। इसलिए हाल के वर्षों में सरकार ने राष्ट्रीय दुर्लभ रोग नीति बनाई है। लेकिन यह बात भी सही है कि इस दिशा में पर्याप्त कदम उठाने के लिए अभी काफी प्रयासों और संसाधनों की जरूरत है।

दुर्लभ रोगों में समाज की भूमिकाः दुर्लभ रोग दिवस हमें सोचने पर मजबूर करता है कि सभी तरह की बीमारियों से छुटकारा पाना केवल अस्पताल के जरिए संभव नहीं है। सामाजिक जागरूकता भी जरूरी है। *

झज्जर। विरोध प्रदर्शन के दौरान उपस्थित बिजली निगम कर्मचारी। फोटो : हरिभूमि

टेक्निकल कर्मचारियों की बदली को लेकर बिजली निगम कर्मचारियों ने जताया विरोध

■ 32 कर्मचारियों का ट्रांसफर रद्द कर 106 कच्चे कर्मचारियों का रोजगार वापस करने की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

टेक्निकल कर्मचारियों की बदली को लेकर ऑल हरियाणा पॉवर कार्पोरेशन यूनियन की सर्कल कार्यकारिणी के आह्वान पर बिजली निगम कर्मचारियों द्वारा किया जा रहा विरोध प्रदर्शन बुधवार को भी जारी रहा। झज्जर, बेरी व बहादुरगढ़ यूनिट के कर्मचारियों ने मिलकर अधीक्षक अभियंता द्वारा झज्जर और बेरी डिवीजन से बहादुरगढ़ डिवीजन में ट्रांसफर किए गए कर्मचारियों की बदली का विरोध जताया। प्रदर्शन की अध्यक्षता सर्कल सेक्रेटरी भूपेंद्र यादव ने की जबकि मंच संचालन विकास द्वारा किया गया। मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित राज्य उप प्रधान बंसीलाल, राज्य ऑडिटर राम दर्शन, सर्व कर्मचारी संघ के जिला प्रधान रामबीर, बिजेंद्र सैनी, रविंद्र दलाल, मीड-डे-मील जिला प्रधान सरोज आदि ने कहा कि अधीक्षक अभियंता द्वारा किए गए 32 कर्मचारियों का ट्रांसफर रद्द होने और 106 कच्चे कर्मचारियों का रोजगार वापस होने पर ही पर उनका विरोध प्रदर्शन समाप्त होगा। यदि अधीक्षक अभियंता द्वारा हठधर्मिता छोड़कर बीच का रास्ता नहीं निकाला तो संगठन इससे भी बड़ा आंदोलन करने पर मजबूर होगा।

विजेताओं को किया सम्मानित

झज्जर। कैंब्रिज इंटरनेशनल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय भदाना के विद्यार्थियों ने इंटरनेशनल कॉमर्स ओलंपियाड में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए गोल्ड मेडल हासिल किया है। विद्यालय निदेशक धर्मेंद्र जून ने बताया कि साइंस ओलंपियाड फाउंडेशन द्वारा आयोजित इस ओलंपियाड में कॉमर्स संकाय के पांच विद्यार्थियों ने सफलता प्राप्त की। विजेता विद्यार्थियों में कार्तिक, अंकित, सचिन, यश और मानसी शामिल हैं। इनमें से अंकित ने विशेष रूप से गोल्ड मेडल प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। इस उपलब्धि पर उन्होंने विजेता विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों के बौद्धिक विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है। विजेता को सम्मानित किया।

झज्जर। कॉमर्स ओलंपियाड के विजेता विद्यार्थियों के साथ उपस्थित निदेशक धर्मेंद्र जून। फोटो : हरिभूमि

सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी, तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

कर्मचारी संगठनों ने लघुसचिवालय परिसर में किया धरना-प्रदर्शन

श्रमिक देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं और उनके हितों की अनदेखी किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं की जाएगी

झज्जर। लघु सचिवालय परिसर में प्रदर्शन के दौरान उपस्थित भारतीय मजदूर संघ से संबंधित संगठनों के कर्मचारी। फोटो : हरिभूमि

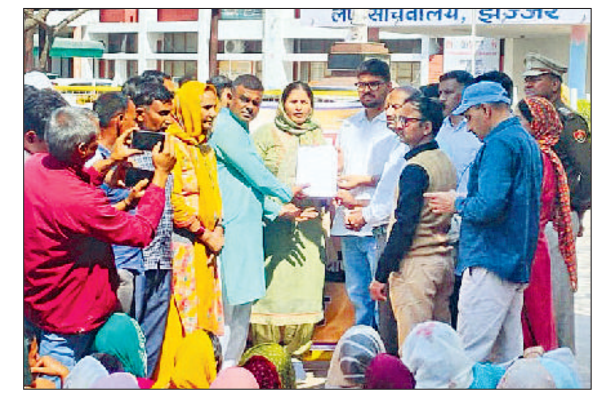

झज्जर। तहसीलदार को ज्ञापन सौंपते हुए भारतीय मजदूर संघ से संबंधित संगठनों के प्रतिनिधि। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

भारतीय मजदूर संघ के बैनर तले बुधवार को जिले के सैकड़ों श्रमिकों एवं कर्मचारियों ने अपनी विभिन्न लंबित मांगों को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। सुबह दस बजे सभी श्रमिक लघु सचिवालय परिसर में एकत्रित हुए और सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। संघ की प्रदेश उपाध्यक्ष छोटा गहलावत की अध्यक्षता में आयोजित प्रदर्शन का संचालन एनटीपीसी अनुबंधित श्रमिक संघ के अध्यक्ष शमशेर सिंह व हरियाणा कंप्यूटर प्रोफेशनल संघ के अध्यक्ष संदीप राठी ने किया। प्रदेश उपाध्यक्ष छोटा गहलावत ने कहा कि यदि सरकारों द्वारा श्रमिकों की मांगों का शीघ्र समाधान नहीं किया गया तो भारतीय मजदूर संघ राष्ट्रव्यापी श्रमिक आंदोलन को और अधिक तेज करेगा। उन्होंने कहा कि श्रमिक देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं और उनके हितों की अनदेखी किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं की जाएगी। जिला मंत्री धीरज जाखड़ ने बताया कि भारतीय मजदूर संघ की केंद्रीय समिति के आह्वान पर देश के सभी जिला मुख्यालयों पर यह राष्ट्रव्यापी प्रदर्शन आयोजित किया गया है। प्रदर्शन के दौरान एनटीपीसी अनुबंधित श्रमिक संघ से शमशेर सिंह, संदीप रोहिल्ला, अनुबंधित विद्युत कर्मचारी संघ के अध्यक्ष वीरेंद्र कुमार व उपाध्यक्ष धीरज गुलिया, पब्लिक हेल्थ कर्मचारी संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष सुमित राठी, विक्रम सिंह, पंककज गुलिया, प्रमोद, गौतम जून, सुरेंद्र भारद्वाज, ग्रामीण ट्यूबवेल ऑपरेटर संगठन के जिला संयोजक प्रवीण कुमार, जितेंद्र कादियान, सफाई कर्मचारी संघ से शीशपाल, अजीत व विनोद, वित्तीय संस्थान ठेका कर्मचारी संघ के जिला सचिव राहुल, आंगनबाड़ी वर्कर्स और हेल्पर यूनियन से सुनीता, कामेश, राजेश व कुंती ने भी अपने विचार रखे। इसके उपरांत सभी श्रमिक व कर्मचारी अपने बैनरों के साथ तहसील परिसर से चलकर लघु सचिवालय के गेट पर पहुंचे। यह उन्होंने तहसीलदार शेखर नरवाल के माध्यम से मुख्यमंत्री व प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा।

ये हैं प्रमुख मांगें

ज्ञापन में दी गई प्रमुख मांगों में सभी सेक्टर व श्रमिकों के लिए श्रम कानूनों को बिना किसी छूट के अंत्योदय की भावना के साथ एक साथ लागू किया जाना, लेबर कोड में व्याप्त श्रमिकों की चिंताओं का समाधान करना, इंडियन लेबर कांफ्रेंस को बहाल करना, न्यूनतम पेंशन को एक हजार रुपये से बढ़ाकर महंगाई भत्ते के साथ 7500 रुपये प्रतिमाह लागू करना, ईपीएफ में अनिवार्य अंशदान की राशि सीमा 15 हजार रुपये से बढ़ाकर 30 हजार रुपये प्रतिमाह करना, ईएसआईसी के अंतर्गत कवरेज के लिए मासिक वेतन सीमा 21 हजार रुपये प्रतिमाह से बढ़ाकर 42 हजार रुपये प्रतिमाह करना, बोनस की पात्रता के लिए कैलकुलेशन की वर्तमान सीलिंग 7 हजार रुपये तथा एलिजिबिलिटी सीलिंग लिमिट 21 हजार रुपये प्रतिमाह में वृद्धि करना, स्कीम वर्कर और ठेका श्रमिकों को स्थाई करना, एनटीपीसी के कर्मचारियों का कम किया गया एरियर सहित दिलाना, एचकेआरएनएल के पांच वर्ष से ज्यादा कार्यकाल वाले कर्मचारियों को सर्विस एक्ट 2024 में शामिल करना, आम भर्ती पर लगी रोक हटाना, प्रदेश के श्रम विभाग के पोर्टल को तुरंत खोला जाना, प्रदेश की आंगनवाड़ी वर्कर एवं हेल्पर को नियमित कर सरकारी कर्मचारी का दर्जा देना, अक्तूबर 2023 को पंचकुला में आयोजित योग एवं आयुष सहायक प्रशिक्षण शिविर में की गई मुख्यमंत्री की घोषणा को लागू करना, सीपीएलओ कर्मचारियों को पूर्ण रूप से पंचायत विभाग को सौंपना और टेक्निकल पद के समान बेसिक वेतनमान देना, हरियाणा विद्युत उत्थान निगम लिमिटेड में 0-5 वर्ष तक कार्यरत अनुबन्धित कर्मचारियों को कौशल निगम में शामिल करना, प्रदेश के सभी ग्रामीण टयूबवेल ऑपरेटर व जलकर्मियों को जन स्वास्थ्य विभाग में कार्यरत सभी कर्मचारियों को कौशल निगम में शामिल करना, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी के सभी अनियमित कर्मचारियों को एचकेआरएनएल में पोर्ट किया जाना शामिल है।

बच्चों को दी स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी

झज्जर। बैठक में उपस्थित स्वास्थ्यकर्मी व अधिकारी। फोटो : हरिभूमि

■ डीआईईसी मैनेजर अंजू ने पीपीटी के माध्यम से कार्यक्रम की उपलब्धियों एवं आगामी कार्ययोजना पर प्रकाश डाला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम व राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए जिला स्तरीय समन्वय बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता कार्यक्रम अधिकारी व उप सिविल सर्जन डॉ. पूनम बिश्नोई ने की। बैठक में राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत 0 से 18 वर्ष तक के बच्चों की नियमित स्वास्थ्य जांच, जन्मजात विकारों की पहचान, विकासात्मक देरी, रोग एवं पोषण संबंधी कमियों की समय पर पहचान तथा आवश्यकतानुसार निःशुल्क उपचार एवं ऑपरेशन की सुविधा के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। डीआईईसी मैनेजर अंजू ने पीपीटी के माध्यम से कार्यक्रम की उपलब्धियों एवं आगामी कार्ययोजना पर प्रकाश डाला। जिला किशोर स्वास्थ्य काउंसलर संदीप कुमार जांगड़ा ने मित्रता क्लीनिक सेवाओं, साप्ताहिक आयरन फोलिक एसिड सप्लीमेंटेशन तथा राष्ट्रीय माहवारी स्वच्छता अभियान बारे जानकारी दी। एनीमिया मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत एविडेंस ग्रुप पंचकूला से रीजनल कोर्डिनेटर राहुल चौधरी ने एनीमिया की रोकथाम, आयरन युक्त आहार एवं नियमित आयरन गोली सेवन के महत्व से उपस्थित स्वास्थ्यकर्मियों को अवगत कराया। इस मौके पर उप सिविल सर्जन डॉ. सुनीता तंवर, नोडल ऑफिसर डॉ. शिखा, उप जिला शिक्षा अधिकारी रूपेंद्र, महिला एवं बाल कल्याण विभाग की सीडीपीओ प्रियंका, सुदेश कुमार, आयुष्मान भारत के जिला मैनेजर विकास कुमार, डॉ. आरपी आर्य, डीडीपीओ कार्यालय के सुपरिटेंडेंट राजेश कुमार, डाटा एंट्री ऑपरेटर पूनम सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

निबंध प्रतियोगिता में प्रियांशी रही प्रथम

झज्जर। राजकीय महाविद्यालय दुजाना में बुधवार को निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। अंग्रेजी, राजनीति विज्ञान व अर्थशास्त्र विभाग के सहयोग से आयोजित इस निबंध लेखन प्रतियोगिता की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. राजेश कुमार द्वारा की गई। निर्णायक मंडल की भूमिका में डॉ. नरेंद्र दहिया, डॉ. अंजू, डॉ. अनीता व डॉ. दीपा शामिल रहे। प्रतियोगिता में प्रियांशी को प्रथम, हिमांशी व मुस्कान को द्वितीय तथा संगीता व दीपांशी को संयुक्त रूप से तृतीय स्थान मिला। प्राचार्य ने विजेता विद्यार्थियों को सर्टिफिकेट व नोटबुक देकर सम्मानित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस मौके पर निधि बाई, डॉ. अनीता व डॉ. दीपा सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

नशा उन्मूलन संगोष्ठी में छात्राओं को बताए नशे के दुष्परिणाम

झज्जर। नशा उन्मूलन संगोष्ठी में उपस्थित छात्राएं। फोटो : हरिभूमि

झज्जर। महाराजा अग्रसेन कॉलेज फॉर वुमेन में बुधवार को नशा उन्मूलन जागरुकता संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी का संचालन ड्रग अवेयरनेस सेल प्रभारी डॉक्टर नीतू जैन द्वारा किया गया। प्राचार्या नीलम गर्ग ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान में युवाओं के बीच नशा एक गंभीर सामाजिक समस्या बनता जा रहा है। युवाओं को नशे की गिरफ्त से बाहर निकालने के लिए इस प्रकार के जागरुकता कार्यक्रमों का आयोजन आवश्यक है। शिक्षा का उद्देश्य केवल डिग्री प्रदान करना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों को नैतिक मूल्यों व स्वस्थ जीवन के प्रति जागरुक बनाना भी है।

विधानसभा घेराव में शामिल होने पहुंचे कांग्रेसी नेता और कार्यकर्ता

झज्जर। विधानसभा घेराव व प्रदर्शन में जिला प्रधान संजय यादव के साथ उपस्थित कार्यकर्ता। फोटो : हरिभूमि

झज्जर। मनरेगा बचाओ संग्राम के अंतर्गत प्रस्तावित विधानसभा घेराव को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। जिला प्रधान संजय यादव की अध्यक्षता में ओबीसी सेल, एससी सेल, यूथ कांग्रेस, इंटक, महिला कांग्रेस, केकेसी, सेवा दल, सोशल मीडिया टीम सदस्य विधानसभा घेराव में पहुंचे। कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने चेतावनी दी कि मनरेगा से छेड़छाड़ बर्दाश्त नहीं की जाएगी और मजदूर विरोधी नीतियों के खिलाफ सड़क से विधानसभा तक जोरदार प्रदर्शन करेंगे। जिला प्रधान संजय यादव ने कहा कि मनरेगा योजना गरीब, मजदूर और ग्रामीण परिवारों के लिए जीवन-रेखा है, लेकिन सरकार की लापरवाही और गलत नीतियों के कारण मजदूरों को समय पर काम और भुगतान नहीं मिल रहा। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार जान बूझकर इस योजना को कमजोर कर रही है। प्रदर्शन में यादव महासभा के पूर्व प्रधान वीरेंद्र दरोगा, राजवीर जाखड़, मास्टर महेंद्र यादव, भीम सिंह गुलिया, दिलबाग सिंह, वरुण गुलिया, यशवंत दुल्हेड़ा, गोपी माजरा, रवींद्र जाखड़, सुनील दलाल, विनोद खरमाण, सोमवीर महराना, सोनू गहलावत, डॉक्टर नरेश, राजवीर सिंह, नवीन जून, आकाश मातनहेल सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

स्वयंसेवकों को दी महिला सुरक्षा, आत्मरक्षा व कानूनी अधिकारों की जानकारी

झज्जर। राजकीय महाविद्यालय बिरोहड़ की एनएसएस इकाई प्रथम व द्वितीय द्वारा आयोजित सात दिवसीय शिविर के छठे दिन स्वयंसेवकों को महिला सुरक्षा, आत्मरक्षा व कानूनी अधिकारों की जानकारी दी गई। प्राचार्य प्रोफेसर डॉक्टर सतवीर सिंह की अध्यक्षता में स्वयंसेवकों ने योगाभ्यास किया। प्रथम सत्र में आयुर्वेदिक मेडिकल अफसर डॉ. सरिता ने महिला स्वास्थ्य एवं मानसिक सशक्तिकरण विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने महिलाओं के मानसिक स्वास्थ्य, तनाव प्रबंधन, आत्मविश्वास एवं सामाजिक चुनौतियों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि एक स्वस्थ एवं सशक्त समाज के निर्माण में महिलाओं की मानसिक दृढ़ता अत्यंत महत्वपूर्ण है। द्वितीय सत्र में जीएडी सासरौली से योग इंस्ट्रक्टर नीलम तथा राजेश ने स्वयंसेवकों को विभिन्न प्राणायाम, ध्यान तकनीक एवं योगासनों का अभ्यास करवाया गया। इसके उपरांत दुर्गा शक्ति टीम इंचार्ज सुनीता ने महिला सुरक्षा, आत्मरक्षा एवं कानूनी अधिकारों की जानकारी देते हुए स्वयंसेविकाओं को आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया। इस मौके पर प्रशासनिक अधिकारी डॉक्टर सुरेंद्र सिंह, राजेश कुमार, ओमबीर, मंजू कुमारी, डॉ. सीटू, प्रियंका, पवन कुमार, नितिन, मंजीत, प्रदीप कुमार सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

झज्जर। स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए दुर्गा शक्ति पुलिस टीम के सदस्य।

कुरुक्षेत्र में काली होली मनाने जाएंगे एलसीएलओ कर्मचारी

झज्जर। लघु सचिवालय परिसर में उपस्थित एलसीएलओ कर्मचारी। फोटो : हरिभूमि

■ सरकार की नीतियों के कारण एलसीएलओ कर्मचारियों को लगातार उपेक्षा और अन्याय का सामना करना पड़ रहा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

लोकल कमेटी लोकल ऑपरेटर यूनियन द्वारा आगामी एक मार्च को कुरुक्षेत्र में बेरंग काली होली मनाने का निर्णय लिया है। सीआईटीयू व सर्व कर्मचारी संघ से संबंधित एलसीएलओ के जिला प्रधान नवीन रोहिल्ला ने बताया कि धरने को सफल बनाने के लिए एक मीटिंग का आयोजन किया गया। मीटिंग में निर्णय लिया गया कि कुरुक्षेत्र में होने वाले इस प्रदर्शन में जिले की उपस्थिति भी सराहनीय रहेगी। उन्होंने बताया कि उनके संगठन के कर्मचारियों द्वारा पिछले 159 दिनों से कुरूक्षेत्र में धरना दिया जा रहा है। सरकार की नीतियों के कारण एलसीएलओ कर्मचारियों को लगातार उपेक्षा और अन्याय का सामना करना पड़ रहा है। सीपीएलओ के दो-दो एग्जाम पास करने और एक हजार रुपये शुल्क जमा करने के बावजूद भी उन्हें न्याय नहीं मिला। कर्मचारियों का कहना है कि जिस विज्ञापन में एलसीएलओ का कोई उल्लेख नहीं था, उसी के विपरीत जाकर सरकार द्वारा बिना वेतन कर्मचारियों को नियुक्त करना अन्यायपूर्ण है। इसी को लेकर वे बेरंग काली होली मनाते हुए सरकार की नाकाम नीतियों के विरोध में एक प्रतीकात्मक रोष प्रदर्शन करेंगे। इस दौरान संगठन के जिला उप प्रधान संजीव कुमार, मीना सिवाच, रेनू, सीमा, मंजू, भावना, राहुल सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

सूचना

मैं, ज्योति देवी पत्नी श्री राहुल गुलिया निवासी हाउस नं. 831, सेक्टर-2, नजदीक गौरी शंकर मंदिर, बहादुरगढ़, जिला झज्जर, हरियाणा-124507 बयान करती हूं कि नैतिक गुलिया मेरा सगा पुत्र है जिसकी जन्मतिथि 25.12.2008 है। मेरे उक्त पुत्र की सेकेंडरी/10वीं क्लास की मार्कशीट के रिकार्ड में मेरा नाम ज्योति दर्ज है और मैं अब सभी कार्यों के लिए अपना नाम ज्योति देवी दर्ज करवाना चाहती हूं। उक्त दोनों नाम ज्योति और ज्योति देवी मेरे एवं एक ही महिला के हैं।

एडीसी ने ली जिले में परीक्षाओं को लेकर की गई तैयारियों की जानकारी

सीएम ने वीसी कर दिए नकल रहित परीक्षा संचालन के निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

झज्जर। बैठक के दौरान आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए एडीसी जगनिवास। फोटो : हरिभूमि

हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड की बुधवार से प्रारंभ होकर एक अप्रैल तक 12वीं कक्षा तथा 20 मार्च तक दसवीं कक्षा की वार्षिक परीक्षाओं का संचालन किया जा रहा है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने वीसी के माध्यम से जिला प्रशासन को पारदर्शी तरीके से नकल रहित परीक्षा संचालन कराने के जरूरी निर्देश दिए। एडीसी जगनिवास ने जिले में परीक्षाओं के निर्बाध संचालन के लिए किए गए प्रबंधों की जानकारी दी। वीसी उपरांत एडीसी जगनिवास ने संबंधित अधिकारियों की बैठक लेते हुए निर्देश दिए कि बोर्ड परीक्षाओं के सुचारू रूप से संचालन के लिए तत्परता से कार्य करें। उन्होंने कहा कि एसडीएम, डीईओ व बीईओ सहित अन्य विभागीय अधिकारियों की अगुवाई में परीक्षाओं के लिए उड़नदस्तों का गठन भी किया गया है। उन्होंने कहा कि परीक्षा नकल रहित करवाने के लिए प्रशासन ने संवेदनशील केंद्रों पर एक-एक ड्यूटी मजिस्ट्रेट तैनात किया है। इसके अतिरिक्त बचे हुए परीक्षा केंद्रों पर भी क्लस्टर बनाकर ड्यूटी मजिस्ट्रेट लगाए गए हैं।

उन्होंने बताया कि बोर्ड स्तर, एसडीएम स्तर तथा खंड शिक्षा अधिकारी स्तर पर फ्लाइंग स्क्वायड का गठन किया गया है। इसके तहत परीक्षा केंद्रों पर चेकिंग की जाएगी। परीक्षा केंद्रों पर मोबाइल व डिजिटल वॉच पर पाबंदी रहेगी। उन्होंने बताया कि सभी परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए है।

अफवाह व फेक न्यूज पर होगी कार्रवाई

एडीसी ने कहा कि बोर्ड परीक्षा शांतिप्रिय ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन अलर्ट मोड में है। किसी भी रूप से भ्रामक जानकारी फैलाने व फेक न्यूज पर प्रशासन की पैनी नजर है और व्यर्थ की आधारहीन जानकारी फैलाने वालों पर नियमानुसार कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

खबर संक्षेप

झज्जर। विद्यार्थियों को राजयोग का महत्व समझाते हुए डॉक्टर बीके भावना बहन।

विद्यार्थियों को कराया राजयोग का अभ्यास

झज्जर। वर्ल्ड कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंस एंड रिसर्च हास्पिटल गिरावड़ में को विद्यार्थियों को राजयोग के महत्व से अवगत कराया। डॉक्टर बीके भावना बहन ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को बताया कि राजयोग से मन की एकाग्रता बढ़ती है। इसकी विधि सरल व सहज है। इस विधि को मनोविज्ञान की भाषा में टेलीपैथी कहा जाता है। इससे मस्तिष्क की क्रियाओं पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इससे निर्णय शक्ति करने की शक्ति का विकास होता है। उन्होंने विद्यार्थियों राजयोग का अभ्यास नियमित करने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान मरीजों व उनके तीमारदारों को मेडिटेशन संबंधी जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि अब सप्ताह में मंगलवार व शुक्रवार को नियमित राजयोग का अभ्यास कराया जाएगा। इस मौके पर केयर टेकर मीना देवी, प्रवीण, पंकुल तोमर सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

बादली कॉलेज में खिलाड़ियों ने दिखाई खेलों में अद्भुत प्रतिभा, पुरस्कार से किया सम्मानित

वार्षिक एथलेटिक मीट में लक्ष्य व उमंग सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी घोषित

मुख्य अतिथि ने विद्यार्थियों को खेल भावना, अनुशासन और टीम वर्क के महत्व पर प्रेरक संदेश दिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

बादली के चौधरी धीरपाल राजकीय महाविद्यालय में बुधवार को 25वीं वार्षिक एथलेटिक मीट का आयोजन किया गया। कॉलेज प्राचार्य मेजर आनंद कादयान की अध्यक्षता में विद्यार्थियों ने उत्साह के साथ खेल स्पर्धाओं में भाग लिया। पुरुष वर्ग में सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का खिताब बीएससी द्वितीय वर्ष के लक्ष्य को मिला। जबकि महिला वर्ग में बीए तृतीय वर्ष की उमंग सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी बनी। कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व प्राचार्य डॉ. रणवीर कादयान ने ध्वजारोहण कर खेल प्रतियोगिताओं का शुभारंभ किया। उन्होंने विद्यार्थियों को खेल भावना, अनुशासन और टीम वर्क के महत्व पर प्रेरक संदेश दिया। तत्पश्चात खिलाड़ियों द्वारा मार्च-पास्ट प्रस्तुत किया गया। छात्र-छात्राओं ने विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में बढ़-चढ़कर भाग लिया। सभी स्टाफ सदस्यों ने भी आयोजन को सफल बनाने में अपना पूर्ण योगदान दिया।

बहादुरगढ़। सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को पुरस्कृत करते अतिथि व स्टाफ।

शिक्षा के साथ खेल भी जरूरी

प्रिंसिपल मेजर आनंद कादयान ने कहा कि विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ-साथ खेल विधाओं में भी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करनी चाहिए। कार्यक्रम संयोजक डॉ. विकास शास्त्री ने कॉलेज के छात्र-छात्राओं की विभिन्न खेल विधाओं में प्राप्त उपलब्धियों का वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. पूर्व प्राचार्य एसएन शर्मा ने विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया। प्राचार्य मेजर आनंद कादयान ने बताया कि डॉ. रवि शर्मा को शारीरिक शिक्षा विषय में सहायक प्राध्यापक के पद पर नियुक्त किया गया है। उनके मार्गदर्शन में विद्यार्थी खेल क्षेत्र में नई उपलब्धियां अर्जित करेंगे।

बहादुरगढ़। खेल दिवस के दौरान मार्चपास्ट प्रस्तुत करते नन्हे विद्यार्थी।

खेल दिवस पर लिटिल स्कॉलर्स ने दिखाई ऊर्जा

बहादुरगढ़। स्कॉलर्स ग्लोबल स्कूल की प्री-प्राइमरी विंग में खेल दिवस ऊर्जा का उत्साहपूर्ण आयोजन किया गया। लिटिल एथलीट्स, ग्लोबल ड्रीम्स थीम के साथ हुई गतिविधि में विद्यार्थियों के खेल भावना, आत्मविश्वास, अनुशासन तथा वैश्विक दृष्टिकोण का विकास हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रबंधन निदेशक प्रदीप दहिया, निदेशिका पूजा दहिया व प्रधानाचार्या पूनम सक्सेना ने गुब्बारे उड़ाकर किया। नन्हे खिलाड़ियों ने विभिन्न देशों का प्रतिनिधित्व करते हुए आकर्षक मार्च पास्ट प्रस्तुत किया। ड्रैगन डैश एडवेंचर, कीवी होप डैश, काउ बॉय ड्रिल और इजिप्ट पिरामिड रिले जैसी रोमांचक प्रतियोगिताओं में बढ़-चढ़कर भाग लिया। अभिभावकों के लिए विशेष पेरेंट्स गेम्स आयोजित किए गए। प्रिंसिपल पूनम सक्सेना ने बताया कि खेल बच्चों के सर्वांगीण विकास का सशक्त माध्यम है। प्रदीप दहिया व पूजा दहिया ने कहा कि स्कॉलर्स ग्लोबल विद्यालय केवल शैक्षणिक उत्कृष्टता ही नहीं, बल्कि नैतिक और शारीरिक विकास को भी समान महत्व देता है।

बहादुरगढ़। स्वयंसेवकों द्वारा तैयार रंगोली देखते अतिथि व प्रिंसिपल आदि।

मोबाइल की लत बुरी, डिजिटल संतुलन अपनाएं

बहादुरगढ़। वैश्य आर्य शिक्षण महिला महाविद्यालय में जिला रेडक्रॉस सोसाइटी द्वारा आयोजित 5 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर के दूसरे दिन आचार्य बलदेव ने योग अभ्यास करवाया। रविंद्र कौशिक ने मोबाइल की लत के दुष्परिणाम बताए। कंचन कुमार ने एड्स के प्रति जागरूक करने के साथ ही प्राथमिक चिकित्सा को लेकर टिप्स दिए। आयुष विभाग से पधारे आचार्य बलदेव ने योग सत्र आयोजित किया। उन्होंने स्वयंसेवकों को ताड़ासन, वृक्षासन, प्राणायाम तथा ध्यान की विधियों का अभ्यास करवाया। उन्होंने डिजिटल डिटॉक्स, समय का सदुपयोग, खेलकूद और रचनात्मक गतिविधियों में भागीदारी की आवश्यकता पर बल दिया। कंचन कुमार ने एचआईवी एड्स विषय पर अत्यंत महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। उन्होंने एचआईवी संक्रमण के कारण, बचाव के उपाय, परीक्षण की आवश्यकता तथा समाज में प्रचलित भ्रांतियों पर प्रकाश डाला।

बहादुरगढ़। मार्केट कमेटी की बैठक में चर्चा करते पदाधिकारी व सदस्य।

अनाज मंडी की व्यवस्था को लेकर बैठक में चर्चा

बहादुरगढ़। बुधवार को अनाज मंडी में स्थित कार्यालय में मार्केट कमेटी की बैठक आयोजित की गई। मार्केट कमेटी के चेयरमैन विनोद कौशिक की अध्यक्षता में हुई बैठक में मार्केट कमेटी के अधिकारी व सदस्य उपस्थित रहे। बैठक के दौरान क्षेत्र से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। किसानों, व्यापारियों और मंडी व्यवस्था से संबंधित मुद्दों पर गहन विचार-विमर्श करते हुए आवश्यक निर्णय लिए गए। इस अवसर पर वाइस चेयरमैन प्रदीप गुप्ता, भाजपा मंडल अध्यक्ष संजय सैनी, कमेटी सचिव अंजू बाला आदि मौजूद रहे। बैठक में उपस्थित पदाधिकारियों ने पारदर्शिता और बेहतर प्रबंधन के साथ कार्य करने का संकल्प लिया, ताकि किसानों और व्यापारियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

प्रशिक्षण शिविर में आए चालकों को एसएचओ ने बताए ट्रैफिक के नियम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

यातायात पुलिस प्रभारी ने आईडीटीआर में हेवी वाहन की ट्रेनिंग पर आए चालकों को सड़क सुरक्षा नियमों व नशा के दुष्परिणाम के प्रति जागरूक किया गया। ट्रैफिक एसएचओ सतीश कुमार ने प्रशिक्षण के लिए आए चालकों को बताया कि वाहन चलाते समय सुरक्षा नियमों का पालन करना अत्यंत आवश्यक है। वाहन चलाते समय हमेशा सीट बेल्ट का प्रयोग करें, तेज आवाज में म्यूजिक न बजाएं, मोबाइल फोन का उपयोग न करें तथा किसी भी प्रकार के नशे की हालत में वाहन न चलाएं। सड़क पर लगे यातायात संकेतों का पालन करना और वाहन को निर्धारित लेन में चलाना अनिवार्य है। हेवी वाहन चलाते समय गति नियंत्रित रखें, क्योंकि अधिक वजन के कारण वाहन को रोकने में समय लगता है। ओवरटेक करते समय पर्याप्त दूरी बनाए रखें और जल्दबाजी न करें। यात्रा से पूर्व वाहन के ब्रेक, टायर, लाइट और इंडिकेटर की जांच अवश्य करें।

बहादुरगढ़। चालकों को जागरूक करते इंस्पेक्टर सतीश कुमार। फोटो : हरिभूमि

डाटा साइंस और एआई का महत्व बताया

रोहतक। महर्षि दयानन्द विवि की रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेल के तत्वावधान में एफडीसी सेमिनार हॉल में महान वैज्ञानिक सी. वी. रमन की जयंती को समर्पित राष्ट्रीय विज्ञान दिवस समारोह-2026 का आयोजन किया गया। समारोह में पल्मोनरी एवं क्रिटिकल केयर मेडिसिन विभाग, पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, रोहतक के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ प्रोफेसर डॉ. ध्रुव चौधरी मुख्य अतिथि के रूप में कहा कि डाटा साइंस और एआई के युग में इनोवेशन और एंटरप्रेन्योरशिप पर फोकस वर्तमान समय की आवश्यकता है। डॉ. ध्रुव चौधरी ने विद्यार्थियों को नवाचार और उद्यमिता को अपनाने के लिए प्रेरित किया।

बाबा रामानंद की स्मृति में दंगल में दिखाया दम

झज्जर। दंगल में अपना जोर आजमाते हुए नन्हें पहलवान। फोटो : हरिभूमि

झज्जर। मेले में खरीददारी करती महिलाएं। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

क्षेत्र के गांव कबलाना में बाबा रामानंद ब्रह्मचारी की स्मृति में बुधवार को 86वें विशाल कुश्ती दंगल एवं भंडारे का आयोजन किया। कार्यक्रम की शुरुआत सुबह हवन व विशेष पूजा-अर्चना के साथ की गई। बाद में शुरू हुए भंडारे में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। इसके अलावा गांव के खेल मैदान में कुश्ती दंगल का आयोजन किया गया। कुश्ती दंगल में अनेक छोटी-बड़ी इनामी कुश्तियां कराई गई जिसमें पहलवानों ने अपना दम दिखाया। ग्राम सरपंच प्रतिनिधि हंसबीर कोडान ने बताया कि दोपहर करीब एक बजे से शुरू हुआ यह दंगल देर शाम करीब आठ बजे तक चला। इसके अलावा मंदिर परिसर से बाहर मेले भी लगा जिसमें कबलाना गांव के अलावा निकटवर्ती गांवों से भी श्रद्धालु अपने बच्चों के साथ पहुंचे। मेले में जहां महिलाएं सौंदर्य प्रसाधन के सामान की खरीददारी करती नजर आई वहीं बच्चे झूलों का आनंद उठाते हुए दिखाई दिए।

संत कबीर बस्ती संघर्ष समिति का गठन, प्रदीप बने अध्यक्ष

बहादुरगढ़। संत कबीर बस्ती संघर्ष समिति के नवनियुक्त पदाधिकारी।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

शहर के वार्ड नंबर-31 में स्थित संत कबीर बस्ती के शिव मंदिर में सर्व समाज की बैठक हुई, जिसमें बस्ती की समस्याओं का निराकरण करने के लिए समिति का गठन किया गया। प्रदीप कुमार को समिति के अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी दी गई है। शहर की संत कबीर बस्ती कई दशकों बाद भी मूलभूत सुविधाओं से तरस रही है। सीएम नायब सैनी ने रविदास जयंती के अवसर पर घोषणा की थी कि 20 वर्षों से जिनका कब्जा है, उन्हें मालिकाना हक मिलेगा। इसके बाद एससी और डीएससी समाज में एक उमीद जगी है। इसी क्रम में संत कबीर बस्ती संघर्ष समिति का गठन किया गया है।

प्रदीप कुमार को अध्यक्ष, मोहित कुमार को उपाध्यक्ष, शमशेर उर्फ विजय कुमार को महासचिव, राजू को कार्यवाही अध्यक्ष, सतीश सरसार को सलाहकार, शिवकुमार को कोषाध्यक्ष व सुमित कुमार टांक को सह कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई है। पप्पू, राजेंद्र, राजपाल, प्रेम भदानी, बिट्टू टांक व संजय सिरसवाल आदि को सदस्य बनाया गया है। समिति कॉलोनी को पक्का कराने और आधारभूत समस्याओं के समाधान के लिए कार्य करेगी। समिति का प्रतिनिधिमंडल जल्द सीएम से मिलकर समस्याओ के निराकरण की मांग करेगा।

ब्यूटीशियन प्रशिक्षण कार्यशाला में 50 छात्राओं को दिए टिप्स

झज्जर। राजकीय स्नातकोत्तर नेहरू महाविद्याल में महिला प्रकोष्ठ के तत्वावधान में ब्यूटीशियन प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। महिला प्रकोष्ठ संयोजक डॉक्टर प्रियंका ने बताया कि इस कार्यशाला में ओवी ब्यूटी क्लीनिक की विशेषज्ञ सुमित्रा ने प्रशिक्षण दिया। कार्यशाला का उद्देश्य छात्राओं को सौंदर्य एवं वेलनेस क्षेत्र में व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना रहा। प्रतिभागियों को स्किन केयर और मेकअप की आधुनिक तकनीकों तथा देशी नुस्खों से सौंदर्य संबंधी व्यावहारिक जानकारी दी गई। साथ ही ब्यूटी इंडस्ट्री में स्वरोजगार के अवसरों के बारे में विस्तार से बताया गया और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया गया। सुमित्रा ने छात्राओं को विभिन्न हेयर स्टाइल, हेयर कट, वैक्सिंग तकनीक तथा साड़ी ड्रेपिंग का प्रशिक्षण दिया। कार्यशाला में लगभग 50 छात्राओं ने सक्रिय सहभागिता की।

झज्जर। कार्यशाला के दौरान छात्राओं को ब्यूटीशियन के टिप्स देते हुए विशेषज्ञ सुमित्रा। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
बहादुरगढ़ : सूरजमल वाली गली, गणपति ट्रैवलर्स के ऊपर, नजदीक टैक्सी स्टैंड, बहादुरगढ़
झज्जर :- पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, झज्जर
फोन : 8295738500, 8814999142, 8295157800

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।

हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5×8 सें.मी 10× 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
झज्जर : हरिभूमि कार्यालय, पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, फोन : 8295876400
बहादुरगढ़ : सुरजमल वाली गली, रोहतक रोड, गणपति ट्रैवल्स के ऊपर, 8295852900

बहादुरगढ़। वैश्य कॉलेज में परीक्षाएं दे रही छात्राएं। फोटो : हरिभूमि

शांतिपूर्वक हो रही एमएड की परीक्षाएं

बहादुरगढ़। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक की सत्र 2025-26 की एमएड प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाओं के साथ ही रि-अपीयर की परीक्षाएं 24 फरवरी से शुरू हो गई हैं। ये परीक्षाएं 6 मार्च तक संचालित होंगी। वैश्य आर्य कन्या महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. राजवंती शर्मा ने बताया कि परीक्षाएं शांतिपूर्ण तरीके से नियमानुसार कराई जा रही हैं। एमडीयू की परीक्षाएं समयानुसार बिना किसी बाधा के सायंकालीन सत्र में नियमानुसार संचालित की जा रही है। महाविद्यालय में सेंटर सुपरिंटेंडेंट डॉ. शालू शर्मा व डिप्टी सुपरिंटेंडेंट डॉ. नेहा नैन के मार्गदर्शन में सभी इनविजिलेटर अपना काम सुचारू रूप से कर रहे हैं।

छारा को प्लास्टिक मुक्त बनाने को लेकर किया जागरूक

- कैंप के छठे दिन स्वयंसेवकों ने नुक्कड़ नाटक किया और जागरूकता रैली निकाली

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

बहादुरगढ़। गांव छारा में जागरूकता रैली निकालते स्वयंसेवक। फोटो : हरिभूमि

छारा के चौधरी हरद्वारी लाल राजकीय महाविद्यालय में चल रहे साप्ताहिक एनएसएस कैंप के छठे दिन स्वयंसेवकों ने प्लास्टिक मुक्त छारा बनाने के उद्देश्य से नुक्कड़ नाटक किया और जागरूकता रैली निकाली। ग्रामीणों ने विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना की और प्लास्टिक मुक्त छारा बनाने में सहयोग का आश्वासन दिया। प्राचार्या डॉ. सविता पुनिया के दिशानिर्देशन में चल रहे 7 दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर के छठे दिन की शुरुआत में एनएसएस प्रोग्राम ऑफिसर डॉ ललिता ने मेडिटेशन करवाया। नाटक में दिखाया गया कि प्लास्टिक कचरा न केवल पर्यावरण को प्रदूषित करता है, बल्कि पशु-पक्षियों, जल स्त्रोतों और मानव स्वास्थ्य के लिए भी गंभीर खतरा बनता जा रहा है। नुक्कड़ नाटक के पश्चात एनएसएस स्वयंसेवकों ने हाथों में स्लोगन व तख्तियां लेकर छारा गांव में रैली निकाली। विद्यार्थियों ने प्लास्टिक छोड़ो, पर्यावरण जोड़ो जैसे नारों के माध्यम से ग्रामीणों को जागरूक किया। उन्होंने कपड़े के थैलों के उपयोग, प्लास्टिक कचरे के पृथक्करण तथा रीसाइक्लिंग जैसे उपायों को अपनाने का संदेश दिया। डॉ अनीता दलाल, देवेंद्र, मंजू मलिक, डॉ मनोज कुमार, डॉ मनोज मलिक, डॉ अश्वनी कुमार, अनुराग व लोकेश आदि ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया।

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग को राहत देने की मांग

शहवासियों ने सरकार से सस्ती बिजली और सब्सिडी का दायरा बढ़ाने की मांग की

प्रदेश के बजट से उद्यमियों को संजीवनी की उम्मीद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

केंद्रीय आम बजट के बाद अब उद्योग जगत की नजर अब प्रदेश के बजट पर टिकी है। जिस प्रकार नायब सरकार ने बजट पूर्व अनेक औद्योगिक संगठनों से चर्चा की है तो उद्योग जगत की उम्मीदें भी बढ़ गई हैं। उद्यमियों के अनुसार सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग को राहत देने के लिए बजट में बड़े कदम उठाए जाने चाहिएं।

उद्योगों को चाहिए सस्ती बिजली : गर्ग

कॉन्फेडरेशन ऑफ बहादुरगढ़ इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष प्रवीण गर्ग के अनुसार बजट में उद्योगों को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। वर्तमान में माहौल औद्योगिक दृष्टि से अनुकूल नहीं है। उद्योगों को संकट के दौर से उभारने के लिए नायब सरकार को बजट में जरूरी उपाय करने चाहिएं। उद्योगों को सस्ती बिजली उपलब्ध कराने से भी राहत मिलेगी।

मूलभूत सुविधाओं की जरूरत : मल्होत्रा

उद्योगपति नवीन मल्होत्रा के अनुसार औद्योगिक क्षेत्र में तमाम बुनियादी सुविधाओं का अभाव किसी से छुपा नहीं है। यहां बिजली, पानी, सीवर, जल निकासी व सड़क की सुविधाओं को मजबूत किया जाना चाहिए। उद्योग जगत से केवल व्यापारी नहीं अपितु लाखों कर्मचारी और उनके परिवार भी जुड़े हैं। बजट में सकारात्मक प्रावधान होने चाहिए।

सब्सिडी का दायरा बढ़े : छिकारा

बहादुरगढ़ चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के उपाध्यक्ष नरेंद्र छिकारा के अनुसार प्रदेश सरकार के आने वाले बजट से उद्योग जगत को बड़ी उम्मीदें हैं। बिजली के दाम घटाने व उपलब्धता बढ़ाने से आर्थिक सुस्ती के दौर से गुजर रहे उद्योगों को बड़ी राहत मिलेगी। सरकार द्वारा उद्योग जगत के लिए सब्सिडी का दायरा बढ़ाने की भी जरूरत है।